विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग अष्टम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-२३/०७/२०२० (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

सन्धि प्रकरण

*सन्धि- दो वर्णों के मिलने से जो विकार उत्पन होता है उसे सन्धि कहते हैं।जैसे गण+ईश =गणेश

*सन्धि के तीन भेद हैं, स्वर सन्धि ,व्यञ्जन सन्धि, विसर्ग सन्धि

*स्वर सन्धि के पांच भेद हैं।

दीर्घ सन्धि , गुण सन्धि, वृद्धि सन्धि, यण सन्धि,अयादि सन्धि

*दीर्घ सन्धि-जब दो समान स्वरों की सन्धि होती तो विकार दीर्घ होता है, उसे दीर्घ सन्धि कहते हैं।

अ-आ, इ-ई, उ-ऊ ये तीन समान स्वर है।

अ+अ=आ , देव+अरण्यम् =देवारण्यम्

अ+आ=आ, देव+आलय= देवालय

आ+अ=आ, विद्या+अर्थी=विद्यार्थी

आ+आ=आ, विद्या+आलय =विद्यालय (आदि)

*गुण सन्थि- अ-आ के बाद जब इ-ई, उ-ऊ तथऋ आता है,तो क्रमश: ए, ओ तथा अर् हो जाता है।

अ+इ=ए, अ+ई=ए, अ+उ=ओ, अ+ऊ=ओ, अ+ऋ=अर्,

आ+इ=ए, आ+ई=ए, आ+उ=ओ, आ+ऊ=ओ आ+ऋ=अर

जैसे गण+ईश=गणेश

अ+ई=ए